further improve the research by the Ayurvedic doctors, and

(c) what are the programmes of Government to promote the ancient Ayurvedic treatment keeping in view the fact that allopathic doctors have started prescribing Ayurvedic tablets and medicines?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND): (a) to (c) Ayurvedic Institutions are engaged in literary research, clinical evaluation of classical drugs pharmacoepial studies, laying down standards for education and practice, drug testing, etc. for establishing the system on an organised scientific manner.

Studies are being conducted for establishing the anti-cancer potentialities of ayurvedic medicines. However definite conclusions on the efficacy of these preparations can be arrived at only after scientifically controlled clinical trials.

गुजरात के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में दवाओं का उपलब्ध न होना

6694 **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरौला:** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गुजरात मे प्राथमिक स्वस्थ्य केन्द्रों में आम बीमारियों के लिए भी दवाओं के उपलब्ध न होने के कारण रोगी समस्याओ का सामना कर रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो स्थिति मे सुधार के लिए सरकार द्वारा इन स्वास्थ्य केन्द्रों को क्या निदेश दिए जाने की संभावना है; और

(ग) क्या दवाओं के वितरण मे सामाजिक कार्यकर्ताओं से सहायता प्राप्त किये जाने की संभावना है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानंद): (क) जी, नहीं।

(ख) और (ग) ये प्रश्न नहीं उठते।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को खोलने और उन्हें उन्नत करने के लिए मापदण्ड

6695 **मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी:** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को खोलने के लिए क्या मापदण्ड हैं;

(ख) इस समय देश में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की राज्यवार सख्या क्या है;

(ग) पिछले वर्ष के दौरान राज्यवार कितने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोले गए,

(घ) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को अस्पताल का दर्जा दिए जाने के लिए क्या मापदण्ड है;

(ङ) उत्तर प्रदेश राज्य मे उन स्थानो के नाम क्या है जहां वे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कार्यरत है जो कि अस्पताल का दर्जा दिये जाने के लिए निर्धारित मापदण्ड को पूरा करते हैं; और

(च) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानंद): (क) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मैदानी क्षेत्रों मे 30,000 जनसंख्या के लिए और पहाड़ी तथा जनजातीय क्षेत्रों मे 20,000 जनसंख्या के लिए स्थापित किये जाते है।

(ख) ब्यौरा विवरण I में संलग्न है। **(नीचे देखिए)**

(ग) ब्यौरा विवरण II में संलग्न है। **(नीचे देखिए)**

(घ) से (च) अस्पतालों के रूप में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का दर्जा बढ़ाने के लिए योजना नहीं है। फिर भी, उत्तर प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि 30 शय्यावाले सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के रूप मे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का दर्जा बढ़ाने की एक योजना है। ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सामान्यतः एक लाख की जनसंख्या या 4 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए या तहसील स्तर पर स्थापित किये जाते हैं।